जागरूक नागरिकों ने फिर उठाई मांग,पठारी बने पर्यटन स्थल

खास बातें

- प्राकृतिक सौंदर्य की गोद में बसी ऐतिहासिक पर्वत नगरी पठारी
- बन सकता है बेहतर पर्यटन कॉरिडोर

नेतराम साहू पठारी
नवभारत न्यूज

पठारी 12 अगस्त, समूचा विश्व पर्यटन पर फोकस कर रहा है.केंद्र और प्रदेश सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जोर दे रही है, लेकिन प्राकृतिक सौंदर्य की गोद में बसे ऐतिहासिक पर्वत नगरी पठारी को पर्यटन स्थल घोषित नहीं किया जा रहा है.जबकि पठारी को पर्यटन स्थल घोषित कर एक बेहतर कॉरिडोर का निर्माण किया जा सकता है, जिससे पर्यटकों का हमेशा तांता लगा रहेगा.

पठारी क्षेत्र में पुरातत्व स्मारकों का अकूत भंडार भरा हुआ है,जो क्षेत्र की प्राचीन सभ्यता, संस्कृति, जीवन शैली और वैभवता का वर्णन कर रहे हैं. पठारी क्षेत्र में प्रचलित लोक कथाएं महाभारतकालीन पांडवों के अज्ञात वर्ष से जोड़ती है.वही क्षेत्र की दंत कथाएं अमर प्रेमी युगल सदाव्रत सारंगा की अमर प्रेम गाथाऐं गाती हैं. यहां की खदानों का पत्थर देश-विदेश की पत्थर मंडियों में पसंद किया जाता है. प्राकृतिक सौंदर्य की गोद में बसे विशाल पर्वत, जलाशय और हरियाली केवल लोगों का ही नहीं बल्कि देशी विदेशी पक्षियों का भी मन मोह लेती है,जो सर्दियों के मौसम में यहां डेरा डाले रहते हैं,जिन्हें देखने के लिए पर्यटकों की भीड़ जुटा करती थी. लेकिन शासन प्रशासन और स्थानीय निकाय की उदासीनता और असुविधाओं के कारण लोगों का मन भंग होने लगा है.वही शिकारियों के द्वारा लगातार शिकार होने के कारण देशी विदेशी पक्षियों का आना भी बहुत कम हो गया है. मप्र, उप्र, महाराष्ट्र, बिहार और गुजरात में पठारी बड़ोह के नाम से बिकने वाले सीताफलों के बागान अपना अस्तित्व खोने लगे हैं.

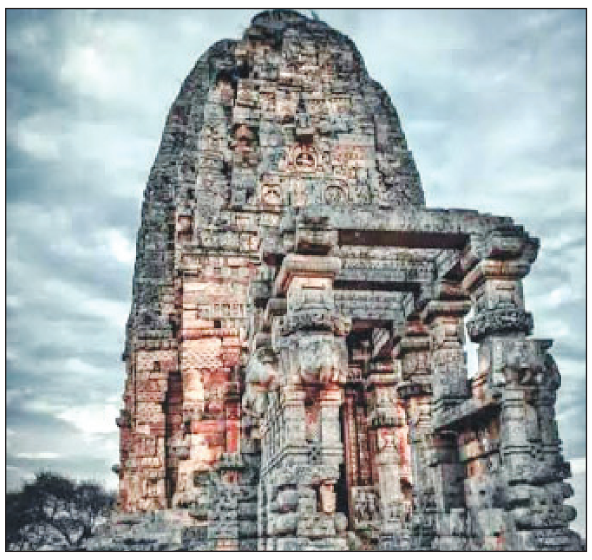

स्मारक गा रहे हैं ऐतिहासिक गाथायें

इतिहासकार मनोज नामदेव बताते हैं कि गेरुआ रंग के शैल चित्र है, जो पाषाण काल से लेकर मध्य पाषाण काल के बीच के माने जाते हैं. वही सप्तमातृका गुफा और 16 खंबा गुप्तकालीन पांचवी सदी के स्मारक हैं.राष्ट्रकूट के सामंत प्रबला ने 861 में 40 मीटर ऊंचे भीम गजा की स्थापना की थी. 9 वीं 10 वीं सदी में बहुत ज्यादा स्थापत्य कला का विकास हुआ है.जिसके अंतर्गत गडरमल मंदिर, दशावतार मंदिर, जैन मंदिर समूह का निर्माण किया गया है.वही 10वीं और 11वीं सदी में कुटकेश्वर मंदिर और बड़ोह की सतमढ़िया का निर्माण हुआ है. गोंड साम्राज्य के दौरान पठारी किले और ऐतिहासिक तालाब का निर्माण हुआ है. जिसके नजदीक 16वीं 17 वीं सदी में देवल घाट शिव मंदिर का निर्माण हुआ है.हीरा बाग में 19वीं 20वीं सदी के मनमोहक मकबरे हैं.जिनकी नक्काशी बेमिसाल है.

जिले के 20 राष्ट्रीय संरक्षण स्थलों में से 5 पठारी बड़ोह के नाम

पठारी क्षेत्र में पुरा स्मारकों का अकूत भंडार है, जो गौरवशाली इतिहास की गाथाओं को गा रहा है.इतिहासकार मनोज नामदेव ने बताया कि भारत सरकार ने 1951 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के अंतर्गत विदिशा जिले के 20 स्थानों में से 6 स्थान पठारी बड़ोह के लिए राष्ट्रीय संरक्षित घोषित किया था.जिसमें भीम गजा, सप्तमातृका गुफा, दशावतार मंदिर, गडरमल मंदिर, जैन मंदिर समूह और 16 खम्मा शामिल थे,लेकिन बाद में 16 खम्मा इसमें से हटाकर प्रदेश के पुरातत्व विभाग को सौंप दिया था.वर्तमान में 5 स्मारक अभी भी राष्ट्रीय संरक्षित हैं.

बन सकता है पर्यटन कॉरिडोर

पठारी बड़ोह को पर्यटन स्थल घोषित किया जाना चाहिए. भोपाल, रायसेन, सांची, उदयगिरि, विदिशा, ग्यारसपुर, पठारी, बड़ोह एरन और उदयपुर को जोड़कर एक बेहतर पर्यटन कॉरिडोर का निर्माण किया जा सकता है,जिससे लगभग 150 किलोमीटर के सफर में एक साथ एक ही बार में पर्यटकों को पूरे स्मारकों को देखने का मौका मिलेगा.

पांडवों ने गुजारा था अज्ञात वनवास

क्षेत्र के लोक गाथा है कि पठारी क्षेत्र में पांडवों ने अज्ञात वनवास गुजारा है.जिन्होंने श्री करेली सरकार हनुमान जी, बड़ोह की पश्चिमी मुखी 20 भुजाधारी महामाई और ज्ञाननाथ पर्वत पर श्री हजारिया महादेव शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा कराई थी.

अमर प्रेमी युगल की है जन्मस्थली

क्षेत्र की दंतकथा है कि 10वीं 11वीं सदी के प्रसिद्ध अमर प्रेमी युगल सदाव्रत सारंगा की जन्मस्थली पठारी बड़ोह है.इस प्रेम कथा की नायिका सारंगा के नाम से पठारी में आज भी एक मोहल्ले का नाम सारंगा मोहल्ला है. इन दोनों के प्रेम के अंतिम पड़ाव के मिलन के स्थान पर कुटकेश्वर मंदिर का निर्माण किया गया है.

हिंदू ,जैन और बौद्ध धर्म के हैं स्मारक

प्राचीन काल में पठारी बड़ोह क्षेत्र में हिंदू, जैन और बौद्ध धर्म का विकास चरम पर था. हिंदू धर्म में वैष्णव और शैव संप्रदाय का प्रभाव नजर आता है. वहीं प्राचीन जैन समूह मंदिर में 24 तीर्थंकरों की वेदियां स्थापित हैं.नगर के ज्ञान नाथ पर्वत पर खंडहर अवस्था में बौद्ध स्तूप और बौद्ध बिहार के अवशेष मौजूद हैं.

विदेशी कंपनियों का बहिष्कार कर जलाया डोनाल्ड ट्रंप का पुतला

नवभारत न्यूज

विदिशा,स्वदेशी जागरण मंच के बैनर तले स्वदेशी सुरक्षा एवं स्वावलंबी अभियान द्वारा डोनाल्ड ट्रंप एवं विदेशी वस्तुओं का पुतला दहन किया गया.अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय कंपनियों पर मनमानी ट्रैफिक लागू करने से नाराज मंच ने अमेरिकी राष्ट्रपति का पुतला फूंका और नागरिकों से विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करने का आह्वान किया.इस मौके पर स्वदेशी जागरण मंच के विभाग संयोजक महिपाल सिंह राजावत ने संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा विश्व व्यापार संगठन की नीतियों के विरोध में भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा जो मनमाने टैरिफ लगाए हैं.उनका स्वदेशी जागरण मंच विरोध करता है भारत अब स्वदेशी के बल पर दुनिया के अग्रणी पंक्ति में खड़ा होगा उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि हमें विदेशी कंपनियां द्वारा जो भारत में व्यापार किया जा रहा है उसका बहिष्कार करना है और अमेरिकी टैरिफ के विरोध में एक ब्रह्मास्त्र के रूप में स्वदेशी वस्तुओं को अपनाना है. इस मौके पर भारतीय उद्योग मंडल के प्रदेश कार्यकारी सदस्य राजेश जैन,सहसंयोजक सुखजीत सिंह काके,स्वदेशी जागरण मंच के जिला संयोजक राजकुमार अग्रवाल,बबीता सिंह चौहान,कुसुम मीणा,रितु राजपूत,बल्लू महाराज,अशोक कुशवाहा, प्रमोद पोरिया,राम साहू,वीरेंद्र मिर्ची सेठ,पप्पू सरदार आदि उपस्थित रहे.

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का आज देशभक्ति मार्च

तिरंगा यात्रा व स्वदेशी मार्च और बहनों के साथ मनायेंगे रक्षाबंधन

नवभारत न्यूज

विदिशा,केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान बुधवार को अपने संसदीय क्षेत्र विदिशा-रायसेन में तिरंगा यात्रा और स्वदेशी मार्च निकालेंगे.वहीं शिवराज सिंह, विदिशा में स्वयं-सहायता समूह की बहनों के साथ रक्षाबंधन मनाएंगे और बहनों से सीधा संवाद भी करेंगे. तिरंगा यात्रा और स्वदेशी मार्च विदिशा के माधवगंज चौराहे से दोपहर 2 बजे प्रारंभ होकर रायसेन के महामाया चौक पर समाप्त होगी.इस दौरान साँची नगर और अलग-अलग स्थानों पर यात्रा का भव्य स्वागत किया जाएगा.

बहनों के साथ मनायेंगे रक्षाबंधन

केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान मंगलवार को दोपहर 12 बजे विदिशा में स्वयं-सहायता समूह की बहनों के साथ रक्षाबंधन मनाएंगे, इस दौरान शिवराज सिंह सभी बहनों से राखी बंधवाएंगे और उनसे सीधा संवाद भी करेंगे. इसके बाद केन्द्रीय मंत्री विदिशा के दोपहर 2 बजे माधवगंज चौक से तिरंगा और स्वदेशी मार्च का शुभारंभ करेंगे.

पटरी के पास मिली थी लाश, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

खास बातें

- कलेक्टर में जनसुनवाई दौरान गुलाबगंज से आई एक महिला ने खुद को आग लगाने की कोशिश की
- एएसपी ने दिए जांच के आदेश,जीआरपी कर रही है मामले की जांच

नवभारत न्यूज

विदिशा, गुलाबगंज के ग्राम सुआखेड़ी में रहने वाली मुन्नीबाई अपने परिवार के साथ जनसुनवाई में पहुंची. अपनी फरियाद रखने के साथ ही उसने खुद पर पेट्रोल छिड़क कर आग लगाने की कोशिश की. मौके पर मौजूद कर्मचारी तुरंत ही पेट्रोल उसे छीना और घटना को अंजाम देने से पहले रोक लिया.

इस पूरे घटनाक्रम के मामले में परिवार के सदस्यों का कहना है कि लालू अहिरवार 15 दिन पहले सोठिया रेलवे फाटक के नजदीक मृत अवस्था में मिले था उसकी गर्दन और हाथ के पंजे कटे हुए थे. जिससे उसकी हत्या की आशंका जताई जा रही है. उन्होंने अपने ही परिवार की चाची पर गंभीर आरोप लगाए हैं. इस पूरे मामले में गुलाबगंज पुलिस, जीआरपी विदिशा द्वारा सुनवाई न होने से परेशान होकर मृतक लालू की मां मुन्नीबाई ने जनसुनवाई में अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगाने का प्रयास किया था, इस पूरे घटनाक्रम के मामले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चौबे ने बताया कि जीआरपी को इस घटना की जांच तेजी से करने के निर्देश दिए गए हैं इसके अलावा मृतक का मोबाइल जो जपती में है वह भी परिवार के सदस्यों को देने के निर्देश दिए गए हैं.